प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 03 फरवरी, 2018 को किंग जार्ज चिकित्सा विष्वविद्यालय की इनोवेषन काउंसिल की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देष्य विभिन्न नवाचारों, पेटेण्ट और शोध को बढ़ावा देना है।

बैठक में प्रो0 सृजन पाल सिंह, ए0के0टी0यू0 द्वारा कहा गया कि हमे अपने आस–पास की समस्याओं को ध्यान में रख कर उसमे सुधार लाने एवं उसके निदान की तरकीब को सुझाएं। नयें अविष्कारों, शोधों को पेटेण्ट कराने के लिए भारत सरकार, प्रदेष सरकार एवं के0जी0एम0यू0 द्वारा भरपुर सहयोग प्रदान किया जायेगा और होने वाले खर्च को वहन भी किया जायेगा।

किसी भी अविष्कार को प्रमोट करने के लिए एक आपसी सहयोग की की अवष्यकता होती है। इसके लिए चिकित्सा विष्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अन्य संस्थाओं जैसे सीडीआरआई एसजीपीजीआई आदि संस्थाओं की आपसी सहयोग बहुत जरूरी है। संस्थान के सभी संकायों के संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों की भागीदारी सुनिष्चित की जाएं। विषेषज्ञों की रॉय है कि सारी सुविधाओं जैसे की थ्रीडी प्रिंटर आदि से युक्त एक इनोवेषन हब बनाने की जरूरत है । जहां पर इनोवेटिव विचारों को मूर्त रूप दिया जा सके।

बैठक में मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी ने कहा कि कोई भी अविष्कार, शोध जो गरीब मरीजो के हित में हो समाज के लिए उपयोगी हो उसके लिए चिकित्सा विष्वविद्यालय द्वारा हर संभव मदद दी जायेगी। इस योजना में चिकित्सा विष्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एव चिकित्सकों को शामिल किया जाएगा। इनोवेषन के लिए जरूरी है कि हर व्यक्ति अपने आस पास की समस्याओं के प्रति जिज्ञासा से देखें और उन पर ध्यान दे और उनके निदान के लिए नये अविष्कारों, तरीकों के बारे में सोचे।

बैठक में सी0डी0आर0आई0 के निदेषक प्रो0 आलोक धवन ने कहा कि हमें लोकल समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए और उसका ऐसा समाधान खोजना चाहिए जिसमें कम से कम लागात आएं ताकी वो गरीब से गरीब मरीजो के लिए भु आसीन से सुगम हो सके।

उपरोक्त बैठक के संयोजक प्रो0 आर0 के0 गर्ग, अधिष्ठाता, शोध संकाय द्वारा कहा गया कि चिकित्सा विष्वविद्यालय में इस तरह के बैठकों का आयोजन होता रहेगा और नये शोधों एवे अविष्कारों और उनकों पेटेण्ट कराने में हर सम्भव मदद दी जायेगी।

उपरोक्त बैठक में प्रो0 यू0सी0 घोसाल, एस0जी0पी0जी0आई0, प्रो0 अरूण चतुर्वेदी, विभागाध्यक्ष, सर्जीकल आंकोलॉजी, प्रो0 अभिजित चंद्रा, विभागाध्यक्ष, गैस्ट्रो सर्जरी विभाग, प्रो0 जी0पी0 सिंह, एनेस्थिसिया विभाग, प्रो0 दिब्या मेहरोत्रा, ओरल एण्ड मैक्सिलोफेसियल सर्जरी

विभाग, डॉ0 बालेन्द्र प्रताप सिंह, प्रोस्थोडोन्टिक्स विभाग, डॉ0 शैलेन्द्र सक्सेना, सी0एफ0ए0आर0 उपस्थित रहे।